रबी में चार हजार क्विंटल से अधिक बीज किसानों को करवाया उपलब्ध

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। एसकेआरएयू द्वारा रबी फसलों का 4 हजार क्विंटल से ज्यादा बीज उत्पादन कर किसानों को उपलब्ध कराया गया। अनुसंधान सलाहकार समिति की शनिवार को कुलगुरु डॉ. आर. बी. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह जानकारी दी गई। बैठक में अनुसंधान निदेशक डॉ एन के शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा गत वर्ष रबी सीजन की विभिन्न फसलों के लिए 24 अनुशंसाएं क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति के अनुमोदन द्वारा पैकेज आफ प्रेक्टिस के लिए भेजी गई। बैठक में कुलगुरु डॉ दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा क्षेत्र में कृषि व किसानों के हित में सतत् अनुसंधान किया जा रहा है। पी एच डी शोध में अल नीनो जैसे कृषि से जुड़े समसामयिक विषयों को शामिल करें। उन्होंने गुणवत्ता बनाए रखते हुए अधिकाधिक बीज उत्पादन पर जोर दिया। डॉ.शर्मा ने विश्वविद्यालय की अनुसंधान गतिविधियों, प्रगति आदि की विस्तार से जानकारी दी।विशेषज्ञ के रूप में जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एल. एन. हर्ष तथा कोटा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व डा. जेड-एस. सोलंकी ने विचार व्यक्त किए। विशेषज्ञों ने चारा वर्गीय फसलों के बीज उत्पादन तथा खजूर के उन्नत पौधे किसानों के लिए उपलब्ध करवाने की बात कही। डॉ शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय में चार बाह्य अनुदान प्रोजेक्ट संचालित है साथ ही सात नये प्रोजेक्ट स्वीकृति हेतु प्रक्रियाधीन हैं। बैठक में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. विजय प्रकाश, प्रसार शिक्षा निदेशक डा. दीपाली धवन, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश वर्मा, कल्याण निदेशक डा. देशवाल, क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ भूपेंद्र सिंह शेखावत सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे। बैठक में अनुसंधान का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया एवं आगे की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई।

एसकेआरएयू: रबी में चार हजार क्विंटल से अधिक बीज किसानों को करवाया उपलब्ध

रबी फसलों हेतु 24 अनुशंसाओं का पैकेज आफ प्रेक्टिस के लिए हुआ अनुमोदन

ओम एक्सप्रेस

बीकानेर। एसकेआरएयू द्वारा रबी फसलों का 4 हजार क्विंटल से ज्यादा बीज उत्पादन कर किसानों को उपलब्ध कराया गया। अनुसंधान सलाहकार समिति की शनिवार को कुलगुरु डॉ. आर. बी. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह जानकारी दी गई। बैठक में अनुसंधान निदेशक डॉ एन के शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा गत वर्ष रबी सीजन की विभिन्न फसलों के लिए 24 अनुशंसाएं क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति के अनुमोदन द्वारा पैकेज आफ प्रेक्टिस के लिए भेजी गई। बैठक में कुलगुरु डॉ दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा क्षेत्र में कृषि व किसानों के हित में सतत् अनुसंधान किया जा रहा है। पी एच डी शोध में अल नीनो जैसे कृषि से जुड़े समसामयिक विषयों को शामिल करें। उन्होंने गुणवत्ता बनाए रखते हुए अधिकाधिक बीज उत्पादन पर जोर दिया। डॉ शर्मा ने विश्वविद्यालय की अनुसंधान गतिविधियों, प्रगति आदि की विस्तार से जानकारी दी।विशेषज्ञ के रूप में जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एल. एन. हर्ष तथा कोटा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व डा. जेड-एस. सोलंकी ने विचार व्यक्त किए। विशेषज्ञों ने चारा वर्गीय फसलों के बीज उत्पादन तथा खजूर के उन्नत पौधे किसानों के लिए उपलब्ध करवाने की बात कही।

डॉ शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय में चार बाह्य अनुदान प्रोजेक्ट संचालित है साथ ही सात नये प्रोजेक्ट स्वीकृति हेतु प्रक्रियाधीन हैं। बैठक में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. विजय प्रकाश, प्रसार शिक्षा निदेशक डा. दीपाली धवन, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश वर्मा, कल्याण निदेशक डा. देशवाल, क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ भूपेंद्र सिंह शेखावत सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे। बैठक में अनुसंधान का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया एवं आगे की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई।

पंजाब केसरी SUN, 18 OCTOBER 2026
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 2

हुए दोषमुक्त करने का निर्णय को संदेह का लाभ दिया।

रबी में 4 हजार क्विंटल से अधिक बीज किसानों को करवाया उपलब्ध, रबी फसलों हेतु 24 अनुशंसाओं का पैकेज आफ प्रेक्टिस के लिए हुआ अनुमोदन

अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक आयोजित। (प्रेम)

बीकानेर, 17 अक्तूबर (प्रेम) : एस.के.आर.ए.यू. द्वारा रबी फसलों का 4 हजार क्विंटल से ज्यादा बीज उत्पादन कर किसानों को उपलब्ध कराया गया। अनुसंधान सलाहकार समिति की शनिवार को कुलगुरु डॉ. आर.बी. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह जानकारी दी गई। बैठक में अनुसंधान निदेशक डॉ एन के शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा गत वर्ष रबी सीजन की विभिन्न फसलों के लिए 24 अनुशंसाएं क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति के अनुमोदन द्वारा पैकेज आफ प्रेक्टिस के लिए भेजी गई।

बैठक में कुलगुरु डॉ दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा क्षेत्र में कृषि व किसानों के हित में सतत् अनुसंधान किया जा रहा है। पी एच डी शोध में अल नीनो जैसे कृषि से जुड़े समसामयिक विषयों को शामिल करें। उन्होंने गुणवत्ता बनाए रखते हुए अधिकाधिक बीज उत्पादन पर जोर दिया। डॉ शर्मा ने विश्वविद्यालय की अनुसंधान गतिविधियों, प्रगति आदि की विस्तार से जानकारी दी। विशेषज्ञ के रूप में जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एल. एन. हर्ष तथा कोटा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व डा. जेड-एस. सोलंकी ने विचार व्यक्त किए। विशेषज्ञों ने चारा वर्गीय फसलों के बीज उत्पादन तथा खजूर के उन्नत पौधें किसानों के लिए उपलब्ध करवाने की बात कही।

डॉ शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय में चार बाह्य अनुदान प्रोजेक्ट संचालित है साथ ही सात नये प्रोजेक्ट स्वीकृति हेतु प्रक्रियाधीन हैं। बैठक में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. विजय प्रकाश, प्रसार शिक्षा निदेशक डा. दीपाली धवन, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ राजेश वर्मा, कल्याण निदेशक डा. देशवाल, क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ भूपेंद्र सिंह शेखावत सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

को प्राप्त
व्यों एवं
आमजन
विशेष
है। इस
, नवीन
बिश्नोई

पूजन

वरात्र के
उच्च
वसर में
की दिशा
या पूजन
ानाचार्य
प्राथमिक
चरण
तिलक
, पेंसिल
त की।

चडी

टांटिया
गर ने
हित को
उपाधि
अमित ने
डिकुलर
ध कार्य
ाया कि
कमर के
ने वाली
ारण दर्द
क पहुंच

रबी फसलों के 4 हजार क्विंटल से अधिक बीज किसानों तक पहुंचाए

बीकानेर @ पत्रिका. रबी फसलों के उन्नत बीज किसानों तक पहुंचाने के साथ कृषि अनुसंधान को मौजूदा चुनौतियों से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) ने पिछले वर्ष रबी फसलों के 4 हजार क्विंटल से अधिक बीज का उत्पादन कर किसानों को उपलब्ध कराया।

शनिवार को कुलगुरु डॉ. आर. बी. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक में विश्वविद्यालय की अनुसंधान गतिविधियों और प्रगति की समीक्षा की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. एन. के. शर्मा ने बताया कि पिछले वर्ष रबी सीजन की विभिन्न फसलों के लिए 24 अनुशंसाएं क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति के अनुमोदन के लिए भेजी गई, ताकि उन्हें पैकेज ऑफ प्रैक्टिस में शामिल किया जा सके।

कुलगुरु डॉ. दुबे ने कहा कि कृषि और किसानों के हित में क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप निरंतर अनुसंधान जरूरी है। उन्होंने पीएचडी शोध में अल नीनो जैसे कृषि से जुड़े समसामयिक विषयों को शामिल करने तथा बीज की गुणवत्ता बनाए रखते हुए उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक में जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एल. एन. हर्ष और कोटा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. जेड. एस. सोलंकी ने भी सुझाव दिए।

उत्तर पश्चिम रेलवे

प्रथम शुद्धि पत्र निविदा संख्या
SNT-PROJ-JU-01R-2026-27

उक्त निविदा में निम्न संसोधन प्रस्तावित है **Date of bidding:** 16.10.2026, **Closing Date/Time:** 30.10.2026 (15.30 Hrs.) **1.** Added Pre Bid Query Reply document in Tender. निविदा पत्र की बाकि नियम एवं शर्तों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है

उप मुख्य सिग व दूर संचार अभि./परियोजना
जोधपुर
1502-DO/26

सत्यमेव
राजस्थान

अपने उत्पादों क
पहुँचाने का सु

भारतीय अं
व्यापार मेल

22 से 24 अक्टूबर 2026 |

राजस्थान पवेलि

ई-नी

वेबसाइट: https://rsi

कार्यालय नगर पालिका परिषद बेमेतरा
जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

क्र. 2138/न.पा./लो.नि.वि./2026-27 बेमेतरा दिनांक 16.10.2026

ई -प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

एतद् द्वारा नगर पालिका परिषद बेमेतरा क्षेत्रान्तर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु